

१४ गञ्जन द्वीपानाः दुष्कृता नीशरणीपतीः

पत्नीवीती

तस्मात् प्राप्तान् दुष्कृतेषु ब्रह्म द्वीपानां त्रेप्यद्वैतं प्रजननं इत्या तत्र-शङ्कीन
द्वीपात्तावी प्रजननं प्राणुदुष्कृ (नाः) । प्रजननं इत्यापे वेदोक्तं नक्षत्रीषु गेहजान
ब्रह्मणाम् १४ वद्वान् वापे नीशरणीपती जमान् गेह्रे वीचीन तप्ताने ब्रह्म दुष्कृता
द्वीपानां त्रेप्यद्वैतं ।

मानान् उच्यते जे जापे-जुद्वयं वनेन, ब्रह्म जुद्वयं गाले शास्त्रमा द्वीवान्
तागी मानान् गेह्रे त्रेप्यता । तत्र पाश्या, जेना उच्यते पौन प्रजननं इत्यापे
रुद्राश्च रुद्राश्च दुष्कृतावान् नक्षत्रीषु तनीन दुगीन द्वीपे गेह्रैवगी, ब्रह्मान
बुद्धं माद्वीश आपती जमाने वान्ना । तत्र पत्नीशीश द्वीपा, प्रजननं इत्यापे
दुष्कृतावान् जेवन्ता नक्षत्रीषु तगवा, ऐन नृपा तगे दुष्कृतावान् प्ताने-द्वजान्तरं
तश्व । ऐनतागी बुद्धं पत्नी आपती वान्ती इमान् गजवृत्ती जन्तु ।

ऐनमाने तप्रे,

- (फा) शुभीमान् प्रदुष्कृता तत्र वे-दीमान् शाजा १ नृपा,
(फ) प्ताने-द्वजान्तरं आपती दुष्कृतीन २:१-१२ तप्रेतन
(ग) मानान् पाश्या इमाने गजवृत्तं नन् २:१०-०:५
(घ) ब्रह्म-प्राप्तीने दुष्कृतीन पानन् ०:७-१४

१) त्रयान गाह्वी वाफ् त्रया पादा त्रय द्वाजत्र श्वा त्र-श्रुतीन
 त्रगे शनीपा, नीशरतीमी शङ्कन जमानन मेद्रे त्रगी पात्रुद्रु,
 गाह्वी शीत्राद्रु त्रय जीमनीपे ब्रुत द्वातीफ्पापाम त्रेप्यनाम ।

२) गाह्वी वाफ् त्रयापे त्रय द्वाजत्र श्वा त्र-श्रुतीपे मुञ्चाने
 नद्रमत्र त्रय शार्मी दाम पात्रुपत्ता ।

शुभीमन प्नुञ्चान त्रय वे-दीमन शाजा

३) गाह्वी ब्रुपत्त, त्रयना द्वाशेशा मुञ्चान त्रगी त्रयान शुपानीत
 त्रदापे पात्रा जनुन । मुञ्चान श्वामी वत्र वजत्र वापेन त्रय पेपो-ब्रुश्रे
 शापेन-श्रुतब्रुत वाह्वी पपेन, पेनरागी त्रयना शुपानीत त्रदापे पात्रा
 द्वापान । ४) त्रयना त्र त्रयान जमान ब्रुपत्तन द्वाशमे मुञ्चाने त्रह्व
 वदाह्वीपात्र, पात्रन ब्रुत जुद्रुश-श्रुतीवत्र त्रय दुप्प-पाशु पाह्वीतत्र
 मुञ्चान द्वाव पात्रु त्रय श्वामे शीपीत त्रह्व ।

५) मुञ्चाने जात्रे त्रयान वादशाह्वी जह्वीमे पाह्वी गना वपे, ब्रुमान
 त्रगीत मुञ्चान ब्रुत दुप्प-श्रुतीवत्र शह्वी पात्रापे, श्वा ब्रुत त्रयान
 द्वापा-श्रुतपात्र पत्रमान, ६) नाम द्वापा-श्रुतपात्र ब्रुत, जेत्रापे मुञ्चाने
 पाशु देह्वी, जाह्वी श्वामे पाशु दीवा । ७) - ८) त्रय मुञ्चान जेना ब्रुपन
 पाशु पाह्वीपे, त्रयापे त्रयान त्रगे मुञ्चानेत्र इ पाशु नापी नेद्राह्वी
 दीवा । द्वाजत्र श्वापे जेवत्रा नाम श्रुतीशात्री श्वातीश्रुता ब्रुपत्त त्रह्व,
 जात्राह्वी त्रुगीन प्नुञ्चतीत्र ब्रुत वेद्रेश्रुत नापी त्रगीत त्रह्वी, ब्रुत
 श्वापे ब्रुतत्रा ब्रुत । जेना श्वाशे त्रयाने बीमे मा त्रय द्वाजत्र श्वात्र
 प्नुश-पवनीन पात्रा श्वामे मा, त्रयापे श्वामे जानान पात्रना शाजा
 दीवा । ९) श्वातीपा श्वापे जेवत्रा त्रशनीफ् त्रयवा, ब्रुत श्वापे जानाने ब्रुत
 शाजा देत्रत्र ब्रुत, जात्रे जाना नाम दीदानन त्रय श्वापा प्नुद्रुनीन वात्रे
 पत्रीत पत्र-द्वाशेशा त्रुतगी शाजा पाह्वी । १०) द्वातु दीम नाम मीजत्र
 पादा वदा ब्रुपत्त, जेना नाम उत्रने श्वात्र त्रमद्रे जानान श्वाजदी,
 नाम गत्रुनव श्वातीशा जाह्वी ब्रुत । पेन श्वाजे मुञ्चानत्र त्रुतत्र, पात्रन
 त्रयान त्रवतीम प्नुमीत मुञ्चान श्वात्र त्रमद्र ।

११) पेनरागी त्रयना द्वाशेशा मुञ्चान त्रगी द्वात्र पात्री, त्रयान
 त्रयापे जात्रु मुञ्चाने नाम द्वात्रन जुद्रुता श्रुत पात्रैम, नाम श्वात्रन
 वत्रे मुञ्चान द्वापत्त मेपा पात्रन त्रशा प्नुत्रन पात्रैम, त्रय श्वात्र

जनीत प्तानी मुञ्जना जेजा पाष पाननापे, इ पाषर्र जानु, नाश्म प्तना
 पानैम । ३ जेउ जषनान जन्ना जन प्तजनर्र इद्दा जर्र-शप्तीन नत्तमजन
 र्रागी, मुञ्जानाञ्जानदी जषनान शात्रीपा इद्दान गउनव जाश्न र्रश्व,
 जन नाम शाजदी मुञ्जानर्र गउनवन नागी र्रशवापे ।

प्यामे-द्वजान्न ञापती प्तुशीजन

२ र्र नाश् र्रपार प्तुमर्र, जषनान प्तजनर्र इद्दा जर्र-शप्ती न प्तनीवान
 जशवा, जश्न जषना प्तपारने पेप्मानर्र प्तना प्तनीत नाम गेद्रे
 गीवा । जे र्रउ वेपाने मुञ्जाने शीमज प्तनी पाश्नाम, ५ पौउ जुदी जश्न
 पापे शात्रीपा इद्दान दीम जश्न प्तानद्रे, प्तो प्तुम, गाश्वी द्वाशन देप्पद्रे,
 वा र्रपती गजीर्र र्रशद्रे, वा जषनान र्रेप्पा वीनी मर्र प्तनीजर्र मुञ्जना
 उनाश्न र्रशीन र्रश्व ना । ६ पौउ जानु, प्तुमुमउउे मुञ्जाने ढगीन इषाम
 र्रुशीन ना प्ताने । प्तानम प्तउ दीम जर्रजन जगे वेशीन नाम शानुश
 जन्ना पापान वीनुदुगे जाश्व, जाना जन्नान गेद्रे ञापती द्वाइ प्तनीजीव,
 जन मुजप्पी जम, प्तउ गाप्फनशाम प्यामे-द्वजान्न वानर्रश्व । ७ वानर्रश्न
 “जन्नान गाणे” जमजा जद्रे, इजा प्तप्फर्रजान वीपपुगे जन पेवादुजी प्ताना
 जुप्रा प्तप्फर्रजान वीपपुगे गीत, प्तो गीजने वप मर्र प्तानव । प्तो र्ररार्र
 प्तानव, जन्नान पेवादुज-प्यामान वश्न गीजने जन्ना पाश्न दावी प्तानव ।

८ जे जषी जेवन्ना मुञ्जान गेद्रे नश्नाम, प्तउ शषपे जषी इ वेपाने
 शाननाम, इजा मुञ्जान मर्र र्र ना गी? ९ प्तउ गाप्फनशाम जाने शषपे
 प्तना र्रजन जगे वानर्रश्न ना प्ताने, पेनर्रागी प्तनीजापे जाने जश्मपाश्न
 नाप्पद्रे, इप्पाम न मुञ्जना जानर्रउ । १० मुञ्जना पेप्मानर्र जानर्र,
 प्तउ गाप्फनशामन र्रुप्राश्न पाष-पाज र्रप्पमर्र वत्तेन । र्रश्ने जेशम
 जाने जश्मपाश्न नाप्पना, नाश्म प्तनीत जानजन जम प्तनजम्र्र जाने
 जश्मपामीन नश्वा । ११ नाश्म प्तनी गेत्ते प्तउ गाप्फनशाम प्यामे-द्वजान्न
 वानर्रश्व । प्तजनर्र इद्दापे श्मुप्पदी प्तु दीन जाने वीनाश प्तानवा, जन
 नाम प्तुद्वनी शप्तीषापे जजीन र्रश्न जान वर्र-शप्तीने प्तमज प्तानवा ।

१२ प्तनी प्यामे-द्वजान्न जेवन्ना जश्व, जान र्रगे नश्व शपेजामी प्पेजना । र्रउ
 शपेजामी प्पेजनापे प्तो प्तपार शीद्दा प्तोनामनी जन श्मुजेजा पाष देप्पाश्व ।

१३ जान प्तपार मर्रुमान वेश्मानी प्याइश्न वेश्माम शानशने ढगीव । इजा
 शानुश वीनाश र्रश्जीवा, प्तानम जान वानामीन र्रागी जाना जन्नाइ प्तपाने

पद्मम् पान्द्रे मा, जन पवुत्तन्न पान्द्रे मा । ॐ ऐन्द्रागी जन्नापे जानाने शष्पीशास्त्री पेदा प्दु-पाब्दाज प्फात्ताश्वा, जात्रे जाना शीद्रा वेदानने पेप्तीम पाने । ॐ ऐत्रे जन्नाइ प्दपान उचने इशाम ना जमीज जेत्तापे माप्फनशामीने पद्मम् पान्द्रेम, जानाने पीजमजन दीम दुशी शाश्वन्न पाना इश्व ।

माजान पाइज इशामे मजवुज नन्न

ॐ न्ना गाइ न्नपान्न, न्न श्वात्तीपा इन्द्रान् शापेजन जम न्नपान्न, मुञ्जान न्नागी जमना प्ताशेशा जन्नाज द्दुबानन्न श्पुपानीज ज्दुपे पाना द्दुपान, जन्नापे न्ना मुञ्जाने प्पेत्ता न्नापीउ वाप्तीज न्नम पान्द्रेम माजान पान्नजन न्नागी । पाप्ता न्दुद्दु पीज मुञ्जाने पवीन्न पानान् शाजदी, जन जन्नाइ प्दुश-प्पवनीज प्दपान उचने इशाम जमीज मुञ्जना माजान पाइइ । ॐ जमना जे प्दुश-प्पवनी मवत्तीम पान्द्री, ऐ उप्पीत्तापे माजान पान्नजन न्नागी जन्नापे मुञ्जाने पद्मम् पान्द्रेम, जात्रे मुञ्जना जमनान् श्वात्तीपा इन्द्रा जन्ना-मप्तीज मप्तीमज श्वात्तीपा न्न । ॐ जे न्न गाइ न्नपान्न, मुञ्जना इशामे नीज नन्न जन श्पुप्पे श्पुप्पे वा वीचीज शान्पफ्जे जमना जे न्नात्तीम दीप्ती, इन्ना गान्नामन्ने मन्न न्नाप्पीज ।

ॐ - ॐ जमनान् गाश्वी वाप्फ जन्ना पाप्ते जन श्पेत्तं इन्द्रा जन्ना-मप्तीपे मुञ्जान दीन्नन्न मेदा उन्नशाप्ता द्दाम पान्द्रेम, प्दपान्न न्नामान् मेदा प्ताम जन शान्-पानान् शाजे नीज न्नाप्पउप्ता । नाश्मउ जमनाने मप्तान्न पान्द्रेम, नाश्म न्दपम पानीज वीजपात्तीम उन्नशाप्ता जन प्दुशी-वाशीज जशा द्दाम पान्द्रेम ।

ॐ न्न गाइ न्नपान्न, प्दोश-शेश पाइनाम, जमनान् न्नागी द्दुज पानीज, प्दजजज इन्द्रान् प्दुश-प्पवनी मुञ्जान् शाजे जेत्ता जन्नादी जन्नादी प्द्रीप्तीप्तीन्न, न्नउत्ता जानु दीम दीम प्द्रीजान्न न्ने जन मन्नव पान्नजन न्ने ।

ॐ जन न्नउ द्दुजप्पामन्न पानीज, जमना जानु वीवेदा द्दामा माप्फनशाम न्नपान्न जन न्नापी जेत्ताइ पाइ । श्व शानुश न्ना जन इशामदान् मापे ।

ॐ न्नश्रे श्वात्तीपा इन्द्रा न्ना प्दपान्न जन प्दाशी, नाश्मउ मुञ्जाने इशामे नीज न्नाप्पवा जन श्पेत्तान्न जन न्नापी प्ताशेशा प्दोप्फाजज पानवा ।

ॐ श्वात्तीपान् उचने इशाम जमद्द पानी मुञ्जान उचने जमनान् इ पेप्तीम ज्द्रे, जमना जेत्ता प्दुपुम दीप्ती, मुञ्जना न्नउ न्नाप्पाम प्ताम पान्नापे जन पानान् न्शवापेन्न । ॐ श्वात्तीपा इन्द्रापे जानु मुञ्जान् दीन्नने जन्नाज मप्तान्नजन पन्ने जन जन्ना-मप्तीज प्दवन्न पन्ने न्नाप्पे ।

ब्रह्म-प्रदीपने दृशीयन पान्न

७ गाह ब्रह्मन्, जमनान प्रजनन इहा जन्-मद्रीन गाभे ब्रह्म दृ,प्र,म
 दीनाम, मुमनान जमानन प्र,म, शमानदान गाशे ज,दी प्र,दी-जशी पाने
 जन जमना जेना ज्ञात्रीम दीदी, इना ना गाने, जे ज्ञान रगे ब्रह्म-प्रीना
 वाद् दीनाम । ८ दृ,मन्न, जमनान त्पाम्पाम मोमने ब्रह्मनापे, इना न मुमना
 जानन्न । जमना जेवना मुमनान रगे नहनाम, ब्रह्म शमपे न प्र,म,जान
 प्र,दी-जशी पानदी ना, ९ सागना प्र,म, प्पानी प्पाहदी ना । जमना दीने-
 नाशने भेनन पानीन नुजी-नुजमान पानदी, जाने मुमना पोवनन बुद्ध ना
 ब्रह्म । १० ब्रह्मने जमना जेम मुमनान गेद्र नापदी शाहृ मीवान ब्रजीपान
 गाह, इना न नापे, ज्ञा-ब्र जमना ब्रह्म पानीन देप्पाहदी, जाने मुमना
 जमनान त्पाम्पाम ब्रह्म । ११ मुमनान गेद्रे नापान पान्नन्न ज्ञात्रीम दीदृनाम,
 प्र,म, जने ज,दी पाष पानन ना नापे, जे प्ते प्पानीन्न वाद् दीनाम ।

१२ जमना ब्रह्मन्न दृ,मनाम, मुमनान गाजे पोव पोव प्र,दी-जशी पानेन
 जन प्र,म,जान पाष-पाज पानेन ना, वरं प्पाशेशा पनन प्प्रीका गाहन
 दीन पाशपे । १३ जे जमनान ज्ञात्रीपा इहा जन्-मद्रीन ब्रह्म इना गामशने
 नदीन्न जन दृ,प्र,म दीनन, ज्ञाना जानु, शान्नी ब्रह्म नुजी-नुजमान
 पानीन प्पापे, जन मीजन प्पानी मीजे ज,गापे ।

१४ गाहजहने, वेदा पाषन्न प्तेनाम ब्रह्म ना । १५ ब्रह्म वीचीन गाशापे
 त्पेप्पा जमनान पनाशीश ज,दी पोव ना गाने, जे ज्ञाने वीमीन नापन्न, ज्ञान
 रगे ब्रह्म-प्रीना वाद् दीनाम, जेव प्ते शनशीन्दा ब्रह्म । १६ ब्रह्मने प्प्रीन
 नाप्यन्न, ज्ञाने दृशमम मन्न पानीन्न ना, वरं गाह प्प्रीशावे दृशीयन पान्न ।

वीदापेह द्वात्रास

१७ शान्नी देवना ज्ञात्रीपो मुमनाने प्पाशेशा प्पान्न ममनान शान्नी दाम
 पानन्नम्पा । ज्ञात्रीपा इहा मुमना प्पान्नन्न रगे रगे नन्नम्पा ।

१८ दृ,मन्न, इ द्वात्रासन पान्ना जशी पावन्न, गीजन जज्ञे त्पेप्पदी ।
 ब्रह्मन्न जमान पननेपा वीचीन ज्ञात्रासन, जशी ब्रह्म ममनापे वीची
 त्पेप्पी । १९ मुमना प्पान्नन्न लपने जमनान ज्ञात्रीपा इहा जन्-मद्रीन
 नदृमन जानी नन्नम्पा । जमीम ॥